लिंक एक्सप्रेसवे से धुरियापार तक फोरलेन

सुविधा

- खजनी से माल्हनपार होते हुए धुरियापार तक टू-लेन सड़क फोरलेन होगी
- धुरियापार चीनी मिल से सड़क को रामजानकी मार्ग में कनेक्ट करने का प्रस्ताव
- पीडब्ल्यूडी ने शासन को भेजा प्रस्ताव, मंजूरी के बाद बनेगी डीपीआर

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। धुरियापार इंडस्ट्रियल कारिडोर तक बेहतर कनेक्टिविटी के लिए गीडा और पीडब्ल्यूडी की तरफ से कवायद शुरू कर दी गई है। लिंक एक्सप्रेस-वे से धुरियापार चीनी मिल तक टू-लेन सड़क को फोरलेन करने का प्रस्ताव शासन को पीडब्ल्यूडी की तरफ से भेजा गया है। इसी के साथ धुरियापार से गोपालपुर होते हुए रामजानकी मार्ग तक फोरलेन सड़क की कवायद शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से बेहतर कनेक्टिविटी का निर्देश गीडा के साथ प्रशासन के अधिकारियों को दिया है। इसे देखते हुए धुरियापार चीनी मिल से बढ़ने पर दशवथपुर, माल्हनपार, कटवर होते हुए खजनी (उनवल) के पास लिंक एक्सप्रेव-वे में कनेक्ट करने का प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी ने तैयार किया है। यह सड़क फिलहाल टू-लेन है। जिसे पीडब्ल्यूडी ने फोरलेन करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। यह सड़क करीब 22 किलोमीटर लंबी है। प्रस्ताव के मुताबिक सड़क करीब 25 गांवों से होकर गुजरेगी। इनमें से ज्यादातर गांव में औद्योगिक विकास का प्रस्ताव है। इसके साथ ही धुरियापार चीनी मिल से सड़क को रामजानकी मार्ग में कनेक्ट करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। धुरियापार से गोपालपुर तक करीब 10 किमी सड़क सिंगल लेन है।

> शासन ने धुरियापार इंडस्ट्रियल टॉउनशिप का मास्टर प्लान अनुमोदित कर दिया है। अब जल्द ही यहां औद्योगिक भूखंडों का आवंटन प्रारम्भ कर दिया जाएगा। ऐसे में धुरियापार से लिंक एक्सप्रेस-वे और रामजानकी मार्ग तक फोरलेन कनेक्टिविटी को लेकर प्रस्ताव तैयार किया गया है। पीडब्ल्यूडी की तरफ से प्रस्ताव भेजा गया है।
>
> -अनुज मलिक, सीईओ, गीडा

जल्द शुरू होगा औद्योगिक विकास के लिए जमीन का आवंटन

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे की शानदार कनेक्टिविटी होते ही गीडा ने ग्रेटर गीडा के रूप में विकसित होने वाले धुरियापार इंडस्ट्रियल टॉउनशिप में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की तैयारी तेज कर दी है। 17 जून को शासन ने धुरियापार इंडस्ट्रियल टॉउनशिप के मास्टर प्लान को अनुमोदित कर दिया है। भूखंड आवंटन की प्रक्रिया सप्ताह भीतर शुरू होने की उम्मीद है। फिलहाल धुरियापार क्षेत्र के 17 गांवों को भूमि अधिग्रहण के लिए अधिसूचित किया गया। अडानी समूह ने यहां एसीसी ब्रांड की सीमेंट फैक्ट्री की यूनिट लगाने के लिए जमीन देखी है। श्री सीमेंट और केयान डिस्टिलरी ने भी नया प्लांट लगाने के लिए जमीन की मांग की है। इसके अलावा कई अन्य औद्योगिक समूहों ने यहां निवेश में रुचि दिखाई है।